वाराणसी, शुक्रवार
11 अगस्त, 2023
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 18
www.jagran.com

दैनिक जागरण

उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

मुख्यालय से कर दिया जाएगा। की मानसिक चिकित्सालय में बहुत दुबे आदि मौजूद रहे। पूरा सहयोग मिल रहा है।

ईएसआइसी बीमित का टाटा कैंसर अस्पताल में कैशलेस उपचार

जागरण संवाददाता, वाराणसी : कैंसर रोगियों को राहत पहुंचाने के लिए कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआइसी) एवं टाटा मेमोरियल सेंटर के वाराणसी स्थित होमीभाभा कैंसर अस्पताल व महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर सेंटर के बीच गुरुवार को अनुबंध हुआ। इससे प्रदेश के सभी ईएसआइसी बीमित व उनके आश्रितों का टाटा कैंसर अस्पतालों में कैशलेस यानी मुफ्त उपचार हो सकेगा। इसका लाभ प्रदेश के लगभग 25 लाख लोगों को मिलेगा।

अनुबंध के मौके पर ईएसआइसी के सहायक आयुक्त आलोक कुमार ने कहा कि प्रदेश में क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर और तीन उप क्षेत्रीय कार्यालय नोएडा, लखनऊ व वाराणसी में हैं। वाराणसी क्षेत्र में लगभग डेढ़ लाख कर्मचारियों का बीमा है। वहीं प्रदेश भर में निजी क्षेत्रों में कार्य कर रहे लगभग आठ लाख कर्मी ईएसआइसी में बीमाकृत हैं। आश्रितों की संख्या लगभग 25 लाख से अधिक है जिन्हें इस पहल से लाभ मिलेगा। इसमें प्रदेश के वे सभी जिले शामिल हैं जो निगम में आते हैं। ईएसआइसी अस्पताल वाराणसी की चिकित्सा अधीक्षक डा. सपना मित्तल बताया कि टाटा कैंसर अस्पताल में नकदी रहित इलाज के लिए ईएसआइसी अस्पताल से रेफर कराना होगा। अनुबंध हस्तांरण के दौरान टाटा कैंसर अस्पताल की ओर से निदेशक (प्रशासन) माधोसिंह, चिकित्सा अधीक्षक डा. आकाश आनंद श्रीवास्तव, ईएसआइसी कानपुर के क्षेत्रीय निदेशक कालीचरण झा, राज्य चिकित्सा अधिकारी डा. आकाश जायसवाल, उप चिकित्सा अधीक्षक डा. अभिलाष वीबी, उप क्षेत्रीय निदेशक नरेंद्र मोहन ओझा मौजूद थे।

प्रदेश के ईएसआइसी बीमाकृत कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों के कैशलेस उपचार के लिए अनुबंध हस्तांतरित करते ईएसआइ व टाटा कैंसर अस्पताल के अधिकारी • ईएसआइसी

- कर्मचारी राज्य बीमा निगम व टाटा कैंसर अस्पताल के बीच हुआ अनुबंध
- प्रदेश के 25 लाख लोगों के लिए राहत, मुफ्त में हो सकेगा कैंसर का उपचार

सेहतमंद भविष्य के लिए कृमि से छुटकारा जरूरी : सीएमओ

जागरण संवाददाता, वाराणसी : सुंदरपुर स्थित कंपोजिट विद्यालय में गुरुवार को सीएमओ डा. संदीप चौधरी ने बच्चों को दवा खिलाकर अभियान की शुरुआत की। कहा कि पेट में कीड़े होने से बच्चे कुपोषित हो जाते हैं। उनमें खून की कमी हो जाती है, जिसके कारण बच्चे कमजोर होने लगते हैं। सेहतमंद भविष्य के लिए कृमि से छुटकारा जरूरी है। 3488 विद्यालयों व 3983 आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को पेट के कीड़े निकालने की दवा दी गई। एक से 19 साल के बच्चों-किशोर-किशोरियों को कृमि मुक्ति की दवा खिलाई जाती है ताकि उनका भविष्य सेहतमंद हो सके। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर जिले में 18 लाख बच्चों को पेट के कीड़े निकालने की दवा खिलाने का लक्ष्य है।

एसीएमओ को प्रतिकूल प्रविष्टि, आंकड़ों में खेल करने पर डीपीएम को नोटिस

जागरण संवाददाता, वाराणसी : जिलाधिकारी एस. राजलिंगम की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक विकास भवन सभागार में हुई। इसमें सीडीओ हिमांशु नागपाल ने एडिशनल सीएमओ डा. अमित सिंह को कड़ी चेतावनी देते हुए प्रतिकूल प्रविष्टि दी। साथ ही जिला प्रोग्राम प्रबंधक (डीपीएम) संतोष सिंह द्वारा बैठक में आंकड़ों को सही ढंग से प्रस्तुत न करने व अपेक्षित जानकारी न देने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। सीडीओ ने कहा कि आयुष्मान भारत-हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर में टेली कंसल्टेशन की सुविधा मरीजों को अधिक से अधिक दी जाए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. संदीप चौधरी ने बताया कि जिले में 226 हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर क्रियाशील हैं। रोजाना 25 से 30 मरीजों को ओपीडी में सेवाएं दी जा रही है, जिसमें आठ से 10 लोगों को टेली कंसल्टेशन दिया जा रहा है। जिलाधिकारी ने जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत जनपद में पिछले वर्ष के लंबित भुगतान नहीं किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देशित किया कि समस्त लाभार्थियों का भुगतान कर दिया जाए।